नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में परीक्षा पे चर्चा का आयोजन

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से किया संबोधित

वर्धा, 29 जनवरी 2019: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के तालकटोरा मैदान से देश एवं

विदेशों के विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत संवाद किया। इस चर्चा के सीधे प्रसारण को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में दिखाया गया। गालिब सभागार में प्रात: 11.00 बजे से प्रसारित इस चर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा सहित अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'परीक्षा पे चर्चा परीक्षा की बात पीएम मोदी के साथ' का यह दुसरा आयोजन था और इसे 2.0 नाम दिया गया था। प्रधान मंत्री मोदी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के साथ चर्चा की तथा परीक्षा के तनाव को लेकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को एक उत्सव की तरह लेना चाहिए। केवल परीक्षा को ही अंतिम नहीं माना जाना चाहिए, परीक्षा के बाद भी बड़ी दुनिया होती है, इसे ध्यान में रखना चाहिए। बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया की आदतों को लेकर एक अभिभावक के प्रश्न पर

उनका कहना था कि तकनीकी का उपयोग विस्तार के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा खुद को परखने का अवसर देती है, आपके भीतर ऊर्जा है और अवसर के साथ इसका उपयोग करना चाहिए। शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच संवाद को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि वे अपनी कक्षा में सभी विद्यार्थियों के साथ सम्यक भाव रखे। अभिभावकों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों पर अतिरिक्त दबाव न बनाते हुए उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने बच्चों की तुलना अन्य बच्चों से न करें, उन्हें ताकतवर बनाएं तथा उनमें टीम भावना जगाने का काम करते रहें। कुवैत की सारा ने सवाल पर प्रधान मंत्री ने कहा कि परीक्षा व्यापक लक्ष्यों के साथ जुड़ी होनी चाहिए और शिक्षा को जिंदगी के साथ प्रासंगिक बनाना चाहिए। आगरा से छात्रा मौली सिंह ने पढ़ाई के लिए घर से दूर रह रहे बच्चों में डिप्रेशन या तनाव के संदर्भ में पूछने पर उन्होंने कहा कि तनाव कर करने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद, गीत-संगीत आदि माध्यमों का उपयोग करें। विद्यार्थी अपने आप को शिक्षित भी करें और प्रशिक्षित भी करें।

विश्वविद्यालय के गालिब सभागार में चर्चा दिखाने की व्यवस्था लीला विभाग के प्रभारी गिरीश पाण्डेय ने की तथा उन्हें अजय कुमार, रवि वानखेडे और सचिन ने सहयोग किया। इस अवसर पर साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. अखिलेश दुबे, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. रुपेश कुमार सिंह, प्रदर्शनकारी कला विभाग के एक्जंट फैकल्टी राकेश मंजुल, सहायक प्रोफेसर डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, डॉ. अविचल गौतम, डॉ. सुरभि बिप्लव, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, डाक्युमेंटेशन असिस्टेंट राजदीप राठौर, विनोद ढगे आदि सहित विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयात परीक्षा पे चर्चाचे आयोजन

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचे दिल्लीहून संबोधन

वर्धा, 29 जानेवारी 2019: पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी मंगळवार, 29 रोजी नवी दिल्लीतील तालकटोरा मैदानाहून देश-विदेशातील विद्यार्थ्यांशी परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रमातून संवाद साधला. या चर्चेचे थेट प्रसारण

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात दाखविण्यात आले. गालिब सभागृहात सकाळी 11.00 वाजेपासून प्रसारित चर्चे दरम्यान प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा यांच्यासह अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी आणि विद्यार्थी उपस्थित होते.

'परीक्षा पे चर्चा, परीक्षा की बात पीएम मोदी के साथ' या कार्यक्रमाचा हा दुसरा भाग होता. कार्यक्रमाला 2.0 हे नाव देण्यात आले होते. पंतप्रधान मोदी यांनी विद्यार्थी, शिक्षक आणि पालकांबरोबर परीक्षेतील ताण-तणावांविषयी चर्चा केली आणि काही सुचनाही दिल्या. परीक्षेला एका उत्सवाप्रमाणे सामोरे गेले पाहिजे असा सल्ला त्यांनी दिला. मोबाइल आणि सोशल मीडियामुळे मुलांमध्ये मोबाइल खेळाचे व्यसन लागले आहे यावर ते म्हणाले की तंत्रज्ञानाचा उपयोग जीवनाला विस्तार देण्याकरिता केला पाहिजे. परीक्षा ही स्वत:ला सिद्ध करण्याची संधी देते असे सांगून ते म्हणाले की आपल्यातील ऊर्जेचा आणि संधीचा योग्य उपयोग केला पाहिजे. शिक्षकांनी सर्व विद्यार्थ्यांबरोबर सम्यक भावना ठेवली पाहिजे असे ते म्हणाले. तनाव दूर करण्यासाठी अभ्यासाबरोबर खेळ, गीत-संगीत या माध्यमांचाही उपयोग केला पाहिजे असा सल्ला त्यांनी दिला.

गालिब सभागृहात चर्चेचे प्रसारण दाखविण्याची व्यवस्था लीला विभागाचे प्रभारी गिरीश पांडे यांनी बघितली तर त्यांना अजय कुमार, रवि वानखेडे व सचिन बोडखे यांनी सहकार्य केले. यावेळी साहित्य विद्यापीठाच्या अधिष्ठाता प्रो. प्रिती सागर, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. अखिलेश दुबे, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. रुपेश कुमार सिंह, प्रदर्शनकारी कला विभागाचे एक्जंट फैकल्टी राकेश मंजुल, सहायक प्रोफेसर डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, डॉ. अविचल गौतम, डॉ. सुरभि बिप्लव, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, डाक्युमेंटेशन असिस्टेंट राजदीप राठोड, विनोद ढगे, यांच्यासह विद्यार्थी उपस्थित होते.

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।